शुगर टेक्नोलॉजी में 'विश्वगुरु' बनता एनएसआइ

जागरण संवाददाता, कानपुर : शुगर टेक्नोलॉजी के मामले में दुनिया में अपनी साख मजबूत करते जा रहे राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआइ) के लिए नया साल नई उपलब्धियां लाया है। चीनी के क्षेत्र में 'विश्वगुरु' बनते जा रहे एनएसआइ से नाइजीरिया ने वहां शर्करा संस्थान स्थापित कराने को करार किया है। इसी तरह श्रीलंका ने भी संक्रमण काल से जूझ रहे वहां के चीनी उद्योग के पुनरुद्धार के लिए संस्थान का सहयोग मांगा है।

देश का इकलौता राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर में है। ये दुनिया भर में शोध और अनुसंधानों से अपनी विश्वसनीयता कायम कर रहा है। बतौर तकनीकी सलाहकार अब तक 12 देश एनएसआइ का सहयोग ले चुके थे। इस साल संस्थान के हिस्से में बड़ी उपलब्धि आई है।

मंगलवार को प्रेसवार्ता में संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि नाइजीरिया की नेशनल शुगर डेवलपमेंट काउंसिल वहां पर एनएसआइ जैसा ही संस्थान खोलना चाहता है। आग्रह किया है कि जब तक वहां संस्थान शुरू न हो जाए, तब तक एनएसआइ उनके लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए।

प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि हमारे सहयोग से वह चीनी उद्योग का विस्तारीकरण और आधुनिकीकरण भी करना चाहते हैं। करार पर हस्ताक्षर के लिए फरवरी या मार्च में आठ सदस्यीय दल यहां आएगा। निदेशक ने बताया इसी तरह श्रीलंका में चीनी उद्योग हालत बहुत खराब है।

वहां चीनी उद्योग के संपूर्ण विक आधुनिकीकरण और संस्थान स्था करने के लिए श्रीलंका शुगर रि इंस्टीट्यूट ने सहयोग मांगा है। करा लिए अनुरोध पत्र भेजा है। यह करार वर्ष के लिए होगा। अनुमति के लिए ह केंद्र सरकार को पत्र लिखा है।

नया साल नई उपलब्धि

- नाइजीरिया ने शर्करा संस्थान की स्थापना को किया करार
- चीनी उद्योग के पुनरुद्धार को श्रीलंका ने भी मांगा सहयोग

निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन

बांग्लादेश में चालू कराएंगे बंद मिलें

बांग्लादेश में दो बड़ी चीनी मिल बंद हैं। उन्हें फिर चालू कराने के लिए बांग्लादेश सरकार ने भारत से मदद मांगी है। सरकार ने एनएसआइ को यह जिम्मेदारी सौंपी है। जल्द ही संस्थान निदेशक सहित विशेषज्ञों का दल बांग्लादेश जाएगा।

कानपुर LIVE | **कैम्पस/सिटी**

नाइजीरिया व लंका में शुगर इंस्टीट्यूट होगा स्थापित

कानपुर | कार्यालय संवाददाता

नाइजीरिया और श्रीलंका में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) शुगर इंस्टीट्यूट की स्थापना कराएगा। इसके लिए संस्थान के शिक्षक न सिर्फ प्रशिक्षण देने वहां जाएंगे, बल्कि वहां के शिक्षक भी एनएसआई आएंगे। यह पहला मौका होगा, जब किसी देश में एनएसआई की मदद से इंस्टीट्यूट की स्थापना होगी। यह जानकारी संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने दी। उन्होंने बताया कि बांग्लादेश सरकार ने बंद पड़ी अपनी दो चीनी मिलों को चालू करने को सरकार से मदद मांगी है। इसके लिए जल्द एनएसआई की चार सदस्यीय टीम बांग्लादेश जाएगी। इसकी अगुवाई प्रो. नरेंद्र मोहन करेंगे।

एनएसआई में सोमवार को निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने प्रेस वार्ता में बताया कि नाइजीरिया के नेशनल शुगर डेवलपमेंट काउंसिल और श्रीलंका सरकार के साथ एमओयू हुआ है। इसके तहत इन दोनों देशों में एक इंस्टीट्यूट की स्थापना करने में मदद करनी है. जब तक इंस्टीट्यूट की स्थापना नहीं होती है, तब तक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलेगा। इन देशों में इंडस्ट्री को भी बढ़ावा देने को मदद की जाएगी। श्रीलंका में चीनी उद्योग की काफी दयनीय स्थिति है। संस्थान चीनी उद्योग का [illegible] करने में मदद करेगा। नाइजीरिया का एक आठ सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल फरवरी में संस्थान आएगा। यहां फाइनल एमओयू पर हस्ताक्षर होंगे। यह अनुबंध दस साल के लिए होगा। संस्थान के छात्रों [illegible]

एनएसआई

- दोनों देशों के साथ हुआ एमओयू संस्थान की चार सदस्यीय टीम जाएगी बांग्लादेश
- चीनी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए दिया जाएगा प्रशिक्षण

प्रो. नरेन्द्र मोहन, निदेशक, एनएसआई।

मिस्र की ओर से भी आमंत्रण आया

प्रो. मोहन ने बताया कि मिस्र की ओर से भी आमंत्रण आया है। वे संस्थान में किए जा रहे प्रयोगों के बारे में जानना चाहते हैं। वे चीनी के अलावा उसके वैल्यू एडिशन के बारे में जानकारी लेकर इस उद्योग को बढ़ावा देना चाहते हैं। अभी अंतिम वार्ता चल रही है। संस्थान अब तक 12 से अधिक देशों को चीनी की नई तकनीकी के बारे में जानकारी दे रहा है। इसमें मुख्य रूप से केनिया, इथोपिया, थाईलैंड, म्यांमार, नेपाल समेत अन्य देश शामिल हैं।

श्रीलंका व नाइजीरिया में भारत स्थापित करेगा शुगर संस्थान

एमओयू साइन होंगे, फैकल्टी कर्मियों को विशेष ट्रेनिंग

कानपुर, 1 जनवरी (आज समाचार सेवा)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) कानपुर की ओर से श्रीलंका और नाइजीरिया में शुगर इंस्टीट्यूट की स्थापना में पूर्ण सहयोग देगा। फैकल्टी प्रशिक्षण कार्यक्रम के अलावा वहां के चीनी उद्योग में तकनीकि बदलाव के साथ अन्य चीनी मिलों में डेवलेपमेंट प्रोग्राम में मदद करेंगे। दोनों देशों से जल्द ही 10 साल के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर होंगे। यह जानकारी एनएसआई कानपुर के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने आज पत्रकारों को दी। निदेशक ने बताया कि वर्तमान में

एनएसआई (शेष पृष्ठ 11 पर)

● बंगलादेश की बंद चीनी मिलें चालू करेगा एनएसआई

श्रीलंका, नाइजीरिया की चीनी मिलें चलवाएगा एनएसआई

कानपुर। श्रीलंका, बांग्लादेश और नाइजीरिया की चीनी मिलों को नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) चलवाएगा। इसके लिए इंस्टीट्यूट को नाइजीरिया और श्रीलंका से औपचारिक अनुरोध पत्र प्राप्त हो गया। इंस्टीट्यूट बांग्लादेश की बंद पड़ी दो चीनी मिलों को चलवाने के लिए प्रस्ताव तैयार कर केंद्र सरकार को देगा। एनएसआई की निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन की अगुवाई में टीम श्रीलंका जाएगी। नाइजीरिया का आठ सदस्यीय दल फरवरी के प्रथम सप्ताह कानपुर आएगा। एनएसआई के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने मंगलवार को पत्रकारों को बताया कि श्रीलंका में चीनी उद्योग को इंस्टीट्यूट तकनीक उपलब्ध कराएगा। इस संबंध में श्रीलंका के सचिव डॉ. कीर्ति पाल से बात हुई है। वहां शुगर इंस्टीट्यूट भी बनाया जाएगा। श्रीलंका से 10 साल के लिए करार होगा। पांच साल में समीक्षा की जाएगी। मिस्त्र भी चीनी उद्योग में गुणवत्ता सुधार के लिए एनएसआई की मदद चाहता है। बताया कि एनएसआई साउथ-ईस्ट एशिया के 12 देशों को कंसल्टेंसी देता है। ब्यूरो

नाइजीरिया ने शुगर इंस्टीट्यूट की स्थापना को एनएसआई से मांगी मदद

कानपुर (एसएनबी)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की ख्याति देश-विदेश में अपने योग्य शिक्षकों, अध्यापन तथा बेहतरीन प्रशिक्षण के चलते दिनों-दिन बढ़ती जा रही है। यही वजह है कि नाइजीरिया ने अपने यहां चीनी उद्योग को विकसित करने में एनएसआई कानपुर की मदद मांगी है।

संस्थान में पत्रकारों से बातचीत करते हुए निदेशक नरेन्द्र मोहन ने बताया कि नये साल में नाइजीरिया समेत कई देशों से अपने यहां चीनी उद्योग को विकसित करने के लिए सहयोग मांगा गया है। नाइजीरिया के नेशनल शुगर डेवलपमेंट काउंसिल ने अपने देश में एक शुगर इंस्टीट्यूट की स्थापना के लिए सहयोग मांगा है। साथ ही उन्होंने यह आग्रह किया है कि संस्थान अपने विषय विशेषज्ञों एवं वैज्ञानिकों को नाइजीरिया में शुगर इंस्टीट्यूट की स्थापना तक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए भेजें। श्री मोहन ने कहा कि नाइजीरिया के चीनी उद्योग में तकनीकी मानव शक्ति की भारी कमी है। संस्थान के सहयोग से वहां चीनी उद्योग का विस्तार एवं आधुनिकीकरण करना चाहता है।

पत्रकारों से वार्ता करते निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन।

इस सम्बंध में फरवरी व मार्च माह में नाइजीरिया से आठ सदस्यीय एक प्रतिनिधिमंडल का राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में दौरा भी प्रस्तावित है। निदेशक ने कहा कि पूर्व में शुगर रिसर्च इंस्टीट्यूट श्रीलंका द्वारा संस्थान से औपचारिक अनुबंध करने के लिए एक अनुरोध पत्र भी प्राप्त हुआ है। यह अनुबंध श्रीलंका में चीनी उद्योग को बढ़ावा देने, शर्करा एवं सम्बद्ध विषयों पर अनुसंधान करने व श्रीलंका में चीनी उद्योग के सम्पूर्ण विकास के संदर्भ में सहयोग के लिए होगा। यह अनुबंध दस साल के लिए होगा, जिसके लिए मंत्रालय को पत्र लिखा गया है। श्री मोहन ने कहा कि मंत्रालय से अनुमति प्राप्त होने के बाद इस दिशा में कार्य प्रारंभ कर दिया जायेगा।